Roll No. ..... Total Pages: 04

1116

I[st] YEAR ARTS EXAMINATION, 2019

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र

काव्य

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड – अ

प्र.1 (क) चित्रकूट में राजसभा नामक काव्यांश किस पुस्तक से लिया गया है?

(ख) हरिऔध द्वारा रचित किन्हीं चार रचनाओं के नाम लिखो।

(ग) जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय लिखो।

(घ) 'पवास ऋतु थी पर्वत प्रदेश पल–पल परिवर्तित प्रकृति वेश' का अर्थ स्पष्ट करो।

(ड़) रामधारी सिंह दिनकर की चार काव्य रचनाओं के नाम लिखो।

(च) महादेवी वर्मा के काव्य ग्रन्थों के नाम लिखो।

(छ) प्रसाद के काव्य की विशेषताएँ बताओ।

(ज) दिवसावसान का समय,
मेघमय आसमान से उतर रही है,
वह सांध्य सुंदरी परी –सी,
धीरे धीरे धीरे। का अर्थ स्पष्ट करो

(झ) अनल किरीट से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

(ञ) मानवीकरण से क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.1 श्याम संदेश कविता का काव्य सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र.2 सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

करके पहाड़–सा पाप मौन रह जाऊँ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ?
थी सनक्षत्र शशि–निशा ओस टपकाती,
रोती थी नीरव सभा हृदय थपकाती।
उल्का–सी रानी दिशा दीप्ति करती थी,
सब में भय–विस्मय और खेद भरती थी।
थूके, मुझ पर त्रैलोक्य भले ही थूके,
जो कोई जो कह सके, कहे, क्यों चूके?
छीने न मातृपद किन्तु भरत का मुझसे,
रे राम, दुहाई करूँ और क्या तुझसे?

इकाई – II

प्र.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

तुम्हारे कुंजों में तल्लीन दर्शकों के होते थे वाद।
देवताओं के प्रादुर्भाव स्वर्ग के स्वप्नों के संवाद
स्निग्ध तरू की छाया में बैठे परिषदें करती थी सुविचार,
भाग कितना लेगा मस्तिष्क हृदय का कितना है अधिकार?
अरी वरूणा की शांत कछार!
तपस्वी के विराग की प्यार!

प्र.4 सुमित्रानंदन पन्त का काव्य सौन्दर्य उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

इकाई – III

प्र.5 ''विरह का जलजात जीवन'' का काव्य सौन्दर्य उद्‌घाटित कीजिए।

प्र.6 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

स्नेह निर्झर बह गया है
स्नेह निर्झर बह गया है
रेत ज्यों तन रह गया है
आम की यह डाली जो सूखी दिखी,
कह रही है – "अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते; पंक्ति मैं वह हूँ लिखी
नहीं जिसका अर्थ –
जीवन दह गया है।"
"दिये हैं मैने जगत को फूल फल
किया है अपनी प्रतिभा से चकित–चल;
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल
ठाट जीवन का वही
जो ढह गया है।"
अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा
श्याम – तृण पर बैठने को निरूपमा।
बह रही है हृदय पर केवल अमा;
मैं अलक्षित हूँ; यही
कवि कह गया है।

इकाई – IV

प्र.7 रामधारी सिंह दिनकर रचित प्रतिशोध कविता के आधार पर दिनकर के काव्य की विशेषताएँ बताइये।

प्र.8 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

किंतु हम हैं द्वीप।
हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के
किंतु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।
पैर उखड़ेंगे। प्लवन होगा। ढहेंगे। सहेंगे। बह जाएँगे।
और फिर हम चूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते?
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गँदला ही करेंगे।
अनुपयोगी ही बनाएँगे।

इकाई – V

प्र.9 निम्नलिखित छंदों के लक्षण व उदाहरण लिखिये –

[I] वंशस्थ

[II] हरिगीतिका

प्र.10 अलंकार किसे कहते हैं? अनुप्रास व यमक अलंकार के लक्षण व उदाहरण लिखिए।

खण्ड – स

प्र.1 चित्रकूट में राज सभा के आधार पर कैकयी के चरित्र की विशेषताएं बताओ।

प्र.2 प्रसाद के काव्य सौन्दर्य को पाठ्य पुस्तक में वर्णित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्र.3 निराला के काव्य सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

प्र.4 हरी घास पर क्षण भर के आधार पर अज्ञेय के काव्य की विशेषताएँ वर्णित कीजिए।

प्र.5 प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।